परिशिष्ट - 1 भारतीय दूरवर्ती संवेदन उपग्रह द्वारा वर्षवार दृश्यों की प्राप्ति

(संदर्भ : पैराग्राफ 3.2)

सं.	आई आर एस (प्रक्षेपण का वर्ष)	डाटा उत्पाद निर्माण क्षमता	प्राप्त दृश्यों की संख्या								
			2002-03	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08	कुल	अधिकतम	औसत प्रतिवर्ष
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	(12)
1.	1 सी (1995)	उपलब्ध नहीं	16471	15637	32749	48141	17184	500	130682	48141	21780
2.	1डी (1997)	उपलब्ध नहीं	20241	16372	15704	32833	30735	17159	133044	32833	22174
3.	पी 3 (1996)	7200	2270	15	0	0	0	0	2285	2270	2270
4.	पी 4 ओश्नसैट-1 (1999)	2880	1573	1690	1564	1758	962	950	8497	1758	1416
5.	पी 6 रीसोर्ससैट-1 (2003)	108000	0	117045	103858	155787	162016	146918	685624	280908[55]	155119
6.	पी 5 कार्टोसैट-1 (2005)	72000	0	0	48329	111026	106021	109099	374475	111026	97520
7.	पी 7 कार्टोसैट-2 (2007)	7200	0	0	0	0	8690	24908	33598	52140[56]	28716

[55] अंतरिक्ष यान अक्टूबर 2003 में प्रक्षेपित किया गया और 2003–04 में नवम्बर 2003 से मार्च 2004 के अंतराल में पांच महीनों में 117045 दृश्य प्राप्त किये गये । इस प्रकार, प्रतिवर्ष 280908 दृश्य प्राप्त किये जाने थे।

[56] अंतरिक्ष यान जनवरी 2007 में प्रक्षेपित किया गया और दो महीनों में उसके द्वारा 8690 दृश्य प्राप्त किये गये थे। इस प्रकार, प्रतिवर्ष 52140 दृश्य प्राप्त किए जाने थे।

परिशिष्ट - 2 प्राप्त दृश्यों की निष्क्रियता

(संदर्भ : पैराग्राफ 3.6)

(राशि: ₹ लाख में)

वर्ष	आईआरएस		एमओडीआईएस		एनओएए	
	बेचे गये दृश्य (राजस्व प्राप्ति)	दृश्यों की निष्क्रियता (प्रतिशत)	बेचे गये दृश्य (राजस्व प्राप्ति)	दृश्यों की निष्क्रियता (प्रतिशत)	बेचे गये दृश्य (राजस्व प्राप्ति)	दृश्यों की निष्क्रियता (प्रतिशत)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
2002-03	12414 (1255)	28141 (69)	65 (3)	1045 (94)	1510 (66)	3219 (68)
2003-04	13695 (1634)	137064 (91)	367 (21)	4043 (92)	817 (30)	4220 (84)
2004-05	15654 (2156)	186550 (92)	216 (12)	8826 (98)	775 (29)	7147 (90)
2005-06	16395 (2515)	333150 (95)	331 (17)	8458 (96)	383 (14)	8446 (96)
2006-07	24764 (3426)	300844 (92)	253 (12)	5960 (96)	443 (12)	12279 (97)
2007-08	34431 (3800)	265103 (89)	79 (2)	7919 (99)	467 (11)	15205 (97)
2008-09	38898 (4152)	43103 (53)	354 उपलब्ध नहीं	7288 (95)	293 उपलब्ध नहीं	6835 (96)
कुल	**156251 (18938)**	**1293955 (89)**	**1655 (67)**	**43539 (96)**	**4688 (162)**	**57351 (92)**

परिशिष्ट - 3 2002-09 के दौरान टर्न-अराउंड टाइम

(संदर्भ : पैराग्राफ 3.7)

टर्न-अराउंड टाइम	2002	2003	2004	2005	2006	2007	2008	2009	औसत
	मामलो की संख्या (प्रतिशत)								
एक दिन से कम	2416 (15.9)	2599 (17.2)	2896 (15.7)	2477 (11.2)	2193 (10.6)	1718 (5.6)	693 (5)	7584 (9.7)	2822.00 11.36
एक से सात दिन	8611 (55.9)	8895 (59)	11324 (61.3)	11932 (54.1)	9038 (43.8)	9968 (33.1)	4389 (31.5)	20775 (26.5)	10616.50 45.65
एक हफ्ते से दो हफ्तों तक	2486 (16.5)	2098 (13.9)	2786 (15.1)	4732 (21.5)	3734 (18.1)	7529 (24.6)	5490 (39.4)	24109 (30.7)	6620.50 22.48
दो हफ्तों से एक महीने तक	1185 (7.9)	1201 (8)	1104 (6)	255 (10.2)	2621 (12.7)	5239 (17.2)	2131 (15.3)	25253 (32.2)	4873.63 13.69
एक महीने से ज्यादा	449 (3.8)	291 (1.9)	345 (1.9)	2673 (3)	3075 (14.8)	5932 (19.5)	1211 (8.8)	715 (0.9)	1836.38 6.83
कुल	**15147 (100)**	**15084 (100)**	**18455 (100)**	**22069 (100)**	**20661 (100)**	**30386 (100)**	**13914 (100)**	**78436 (100)**	**26769.00 (100)**

परिशिष्ट - 4 उपभोक्ता परियोजनाओं में समय वृद्धि

(संदर्भ : पैराग्राफ 5.3 एवं 6.4.1)

एरियल योजनाएं

परियोजना कोड (लागत ₹ लाख में)	परियोजना का नाम (समय वृद्धि)	टिप्पणी
1208 (66.19)	गरीबों के लिए आन्ध्र प्रदेश शहरी सेवाओं (एपीयूएसपी) के 11 शहरों की लार्ज स्केल मैपिंग **[34 महीने]**	इस परियोजना की शुरूआत मई 2004 में हुई और नौ महीनों में उसे पूर्ण किया जाना था। 35 महीनों की देरी के बाद योजना को दिसम्बर 2007 में पूर्ण किया गया था।एनआरएससी ने सितम्बर 2008 में जवाब दिया कि आन्ध्र प्रदेश सरकार से भुगतान प्राप्त न होने तथा कुछ शहरों की भूनियंत्रित सर्वेक्षण करने के लिए प्रतिकूल मौसम परिस्थितियों की वजह से यह देरी हुई थी। जवाब स्वीकार्य नही था, क्योंकि, एनआरएससी ने खुद 90 प्रतिशत अग्रिम राशि की जगह तीन 30 प्रतिशत किश्त की प्राप्ति मानकर भुगतान की सामान्य नियमों को छूट दी थी, जिस वजह से भुगतान प्राप्त नही हुआ और परियोजना की पूर्णता में देरी हुई।
1120 (63)	गोदावरी– कृष्णा सम्बन्ध योजना का टोपोग्राफिक सर्वे **[40 महीने]**	इस परियोजना की शुरूआत अक्टूबर 2001 में हुई और अक्टूबर 2003 में इसे पूर्ण किया जाना था। वास्तव में यह परियोजना, 40 महीनों की देरी के बाद, फरवरी 2007 में पूर्ण हुई थी। एनआरएससी और डीओएस ने सितम्बर 2008 तथा जुलाई 2009 में जवाब दिया कि यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका से प्रौद्योगिकी प्राप्त करने, प्रतिस्थापित और चालू करने में होने वाली देरी तथा लिडार प्रौद्योगिकी में आने वाली प्रारंभिक कठिनाइयाओं से यह देरी हुई थी।
1059 (130.32)	गोदावरी– कृष्णा सम्बन्ध योजना का टोपोग्राफिक सर्वे **[54 महीने]**	इस परियोजना की शुरूआत फरवरी 2001 में हुई और उसे अगस्त 2002 में पूर्ण करना था। यह परियोजना वास्तविक रूप से 54 महीनों की देरी के बाद फरवरी 2007 में पूर्ण हुई थी। देरी की वजह, एनआरएससी द्वारा एरियल लार्ज टेरेन मैपिंग प्रणाली की खरीद में दो वर्षों से भी अधिक समय की असामान्य देरी हुई थी। एनआरएससी मार्च 2003 में सर्वेक्षण पूरा कराने को सहमत हो गई थी। इसे मान्य समयसारणी की शर्तो के अनुसार परियोजना को पूरा करने के लिए खरीद प्रक्रिया में तेजी करनी चाहिए थी
1155 (1549.4)	डब्लूआरडीओ की एएलटीएम मैंपिंग के लिए गारलैंड कमांड और कैचमेंट एरिया **[48 महीने]**	यह परियोजना सितम्बर 2003 में शुरू हुई और समयसारणी के अनुसार इसकी अवधि अगस्त 2004 तक थी। फिर भी परियोजना लंबित थी, क्योंकि उपभोक्ता उनकी प्रगति के लिए आवश्यक इनपुट उपलब्ध करने में असमर्थ रहे थे। उपभोक्ता ने परियोजना की अवधि भी नहीं बढ़ाई थी। इसलिए वह पिछले चार वर्षों से सुप्त स्थिति में रखी गई थी। एनआरएससी ने जवाब दिया (सितम्बर 2008) कि डब्ल्यूआरडीओ उपज, जो सम्पूर्ण योजना के डिजाइन हेतु महत्वपूर्ण मापदण्ड है, को अंतिम रूप नहीं दे सका। इस कारण, उड़ान क्षेत्र निश्चित नही किया जा सका था।
1223 (65.77)	लोहरीनाग के ऊपर राष्ट्रीय थर्मल पावर कॉरपोरेशन के लिए एरियल मैपिंग **[25 महीने]**	परियोजना का आरंभ सितंबर 2004 में हुआ था और इसे नवंबर 2005 में पूरा किया जाना था। फरवरी 2007 में एरियल चित्रों की सुपूर्दगी देनी थी, परंतु मानचित्रों को रक्षा मंत्रालय से मान्यता मिलने के पश्चात दिसंबर 2007 में वितरित किया गया था। एनआरएससी ने सितंबर 2008 में और डीओएस ने जुलाई 2009 में यह उत्तर दिया कि एरियल फोटोग्राफी में देरी अन्य अत्यावश्यक कार्यों तथा प्रतिकूल मौसम परिस्थिति के कारण हुई थी। इसके पश्चात भू–नियंत्रण सर्वेक्षण को भी जमीन के फिसलने जैसी प्राकृतिक आपदाओं के कारण देरी हुई थी।

परियोजना कोड (लागत ₹ लाख में)	परियोजना का नाम (समय वृद्धि)	टिप्पणी
1222 (138.99)	छत्तीसगढ की एरियल मैपिंग **[20 महीने]**	परियोजना नवंबर 2004 में शुरू हुई थी। इस परियोजना को नवंबर 2005 में पूरा होना था। एनआरएससी ने सितंबर 2008 में और डीओएस ने जुलाई 2009 में यह उत्तर दिया कि नक्सलवादियों की समस्या के कारण भू नियंत्रण सर्वेक्षण रद्द कर दिया गया था। अंत में यह तय किया गया कि, बिना भू–नियंत्रण सर्वेक्षण के कार्य किया जाएगा और इस प्रक्रिया में परियोजना में देरी हुई।
1185 (121)	कोलकाता महानगर पालिका पर एरियल फोटोग्राफी अैर मैपिंग **[33 महीने]**	दिसंबर 2003 में ₹ 1.10 करोड़ के लिये एमओयू में हस्ताक्षरित किया था और परियोजना की तय अवधि एक वर्ष की थी। परियोजना लागत भी फरवरी 2005 में मूल्य ₹ 1.10 करोड से संशोधित कर ₹ 1.21 करोड़ की गई थी। दिसंबर 2003 में हस्ताक्षरित किये गए एमओयु के मूल्य के संशोधन को सम्मिलित कर बदला नहीं गया था। अंत में कार्य अगस्त 2007 में पूर्ण हुआ। कार्य की समाप्ति में असामान्य देरी हुई थी। एनआरएससी ने सितंबर 2008 में और डीओएस ने जुलाई 2009 में यह उत्तर दिया कि परियोजना के दौरान उपयोगकर्ता ने विशिष्टताओं में बदलाव किये और अर्थो फोटो का अतिरिक्त अनुरोध भी किया था।
1183 (110.06)	केआरएसएसी, बैंगलोर के लिए कर्नाटक की 16 जगहों में एरियल फोटोग्राफी **[48 महीने]**	तय की हुई अवधि मई 2004 तक थी। परियोजनाओं में संशोधन किए गए थे और उपयोगकर्ता ने मई 2004 में संशोधन आदेश जारी किए। जब शहरों के लिए डाटा को हस्तांतरित करने के साथ परियोजना को सभी दृष्टिकोण से मई 2008 में पूर्ण किया गया था। एनआरएससी ने सितंबर 2008 में और डीओएस ने जुलाई 2009 में यह जवाब दिया कि प्रतिकूल मौसम परिस्थितियों के कारण परियोजना में देरी हुई तथा भारतीय सर्वेक्षण से डाटा का अंतिम वर्गीकरण करने हेतु ज्यादा समय लेने के कारण परियोजना में देरी हुई थी।
1153 (38)	चेन्नई की एरियल ट्रीएंगलाईजेशन और फोटोग्रामेट्रिक मैपिंग **[8 महीने]**	चेन्नई के फोटोग्रामेटिकल अद्यतन के लिए डाटा इकट्ठा करने का कार्य एनआरएससी द्वारा जून 2004 में किया गया था। जबकि परियोजनाओं को अक्टूबर 2003 तक तय तिथि में पूरा करना था। एनआरएससी ने सितंबर 2008 और डीओएस ने जुलाई 2009 में यह जवाब दिया कि हवाई जहाज में तकनीकी बाधा के कारण परियोजना में देरी हुई थी।
694 (843)	भारत में 28 शहरो की एरियल फोटोग्राफी फेस II –13 शहर **[8 महीने]**	पूरा करने की तय तिथि दिसंबर 2002 थी। 13 शहरों का एरियल फोटोग्राफी अगस्त 2003 में पूरी हुई थी। एनआरएससी ने सितंबर 2008 और डीओएस ने जुलाई 2009 में जवाब दिया कि सभी जगहों पर अनुकूल मौसम परिस्थिति के लिए किया गया मौसम हवाई छायाचित्रण और भूमी नियंत्रण सर्वेक्षण मौसम पर आधारित था।
1070 (1439)	भारत में 28 शहरो की एरियल फोटोग्राफी फेस III –15 शहर **[26 महीने]**	एरियल फोटोग्राफी को पूरा करने की तय तिथि दिसंबर 2002 थी। हालाकि, चरण III के शेष 15 शहरों के कार्य को फरवरी 2005 में अर्थात 26 महीनों की देरी के बाद पूरा कर लिया गया था। एनआरएससी ने सितंबर 2008 तथा डीओएस ने जुलाई 2009 में जवाब दिया कि अनुकूल मौसम परिस्थितियों के लिए, सभी स्थानों पर एरियल फोटोग्राफी तथा भू नियंत्रण सर्वे का संपादन मौसम पर निर्भर था।

परियोजना कोड (लागत ₹ लाख में)	परियोजना का नाम (समय वृद्धि)	टिप्पणी
1240 (20)	अतिरिक्त शिमला योजना क्षेत्र के लिये बेस मैप की तैयारी **[13 महीने]**	करार के अनुसार कार्य की तय की गई अवधि 11 महिनों की थी यानी अप्रैल 2006 से पहले। एनआरएससी ने प्रदेय मई 2007 में प्रस्तुत किये थे। एनआरएससी ने सितंबर 2008 में और डीओएस ने जुलाई 2009 में उत्तर दिया कि क्षेत्र डाटा के एकत्रीकरण में भू–भाग के उतार–चढावों और शिमला और उसके आसपास के भागों की सामन्य तौर पर होने वाली प्रतिकूल मौसम स्थिती के कारण अतिरिक्त समय लगा।

उपग्रह परियोजनाएं

परियोजना कोड (लागत ₹ लाख में)	परियोजना का नाम (समय वृद्धि)	टिप्पणी
1061 (63.32)	ग्रामीण विकास मंत्रालय मंडसुअर में आरएस और जीआईएस का उपयोग कर एकीकृत भूमि एवं जल संसाधनों का संरक्षण **[35 महीने]**	परियोजना को मार्च 2001 में, अप्रैल 2002 तक पूर्ण होने हेतु स्वीकृति दी गई थी। वास्तव में परियोजना तीन वर्षों के बाद मार्च 2005 में पूर्ण हुई थी। डीओएस ने जुलाई 2009 में उत्तर दिया कि आंतरिक समीक्षा में यह तय किया गया कि हाईड्रो जीयो मोर्फोलोजिकल नक्षों का और निर्माण हो रहे अन्य आधार परतों का इस अभ्यास क्षेत्र के लिये प्रयास और संसाधनों का अनुकूलन उपयोग किया जाएगा। अतः कार्य के मूल क्षेत्र में विचलन के परिणामस्वरूप परियोजना के समापन में देरी हुई।
1217 (17.61)	जल संसाधनों की इनवेंटरी तथा बदलावों की खोज का अध्ययन **[20 महीने]**	परियोजना को आठ महिनों के लिए नवंबर 2004 में स्वीकृत किया गया था। उद्देश्य I को परिशोधित किया गया था, क्योंकि चयनित वर्षों में खरीफ के मौसम में साफ आकाश डाटा उपलब्ध नहीं था। उद्देश्य II को रद्द किया गया था। उद्देश्य III और पुनरीक्षण उद्देश्य I को मार्च 2007 में पूरा किया गया जबकि उद्देश्य IV दिसंबर 2004 में ही पूर्ण कर लिया था। एनआरएससी ने सितंबर 2008 में जवाब दिया कि फील्ड डाटा प्राप्त करने, अन्य सहायक सूचना और पुर्निवेंशन व सुझाव प्राप्त करने से मार्च 2007 में प्रतिवेदन की तैयारी से पहले अधिक समय लेने के कारण परियोजना में देरी हुई।
1127 (498)	राष्ट्रीय वेस्टलैंड अभियान (2003) **[12 महीने]**	अभियान 2003 को समयसारणी अनुसार मार्च 2004 में पुरा होना था जबकि परियोजना एक वर्ष की देरी से पूरी हुई क्योंकि प्रशासनिक कार्यभार अधिक था और डिजिटल पर्यावरण में विश्लेषण किया जा रहा था। इस कार्यभार और कार्यक्षेत्र के बढ़ने के कारण परियोजना लागत की बढ़ोतरी की गणना नहीं की गई थी। एनआरएससी ने सितंबर 2008 में उत्तर दिया कि स्टेट ऑफ आर्ट तकनीक अपनाने, केंद्रों द्वारा नए तरीकों को प्रयोग करने में अतिरिक्त समय लेना, राज्यों, केंद्रों की प्राथमिकताओं में बदलाव एवं आपदा इत्यादि के कारण देरी हुई थी।
1264 (346.25)	राष्ट्रीय बंजरभूमि अभियान (2005) **[8 महीने]**	समय सारणी के अनुसार नवंबर 2007 में पूर्ण होने वाली परियोजनाएं जुलाई 2007 तक चल रही थी। परियोजना की वर्तमान स्थिति को दर्शाए बिना ही एनआरएससी ने सितंबर 2008 में उत्तर दिया कि आरंभ में एक मौसम के डाटा का प्रयोग किया जाना था। निरुपण को सुधारने हेतु तीन मौसमों के डेटा का प्रयोग करने का निर्णय लिया गया था।

परियोजना कोड (लागत ₹ लाख में)	परियोजना का नाम (समय वृद्धि)	टिप्पणी
1204 (14.20)	एनटीपीसी खेलगांव का पारिस्थितिक प्रभाव अनुबंध **[20 महीने]**	अगस्त 2003 के अनुमोदन पत्र के संदर्भ में, कार्य को जुलाई 2005 तक दो वर्षों में पुरा होना था। जबकि अंतिम रिपोर्ट मार्च 2007 में प्रस्तुत की गई थी। एनआरएससी ने सितंबर 2008 में जवाब दिया कि परियोजना में एनटीपीसी (ऍबियंट एयर क्वालिटी डाटा) घटक को शामिल किया गया था। कुछ तकनीकी दिक्कतों के कारण एनटीपीसी ने नवंबर 2006 में डाटा प्रस्तुत किया था।
1063 (46.08)	मौसमवार फसल सिंचाई क्षेत्र की मैपिंग **[9 महीने]**	जल संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार ने दो कैड कैनल कमांड की उपयोगिता में सिंचाई प्रणाली निष्पादन में अंतराल के प्रभाव पर अध्ययन करने का कार्य जल एवं ऊर्जा सलाह सेवाओं (डब्ल्यूएपीसीओएस) को सौंपा। डब्ल्यूएपीसीओएस ने आगे एनआरएससी को मौसमवार फसल क्षेत्र और दो कमांड में सिंचाई क्षेत्र को शुरू करने के लिए आबंध किया। परियोजना की कुल लागत ₹ 46.08 लाख थी और परियोजना की अवधि एक वर्ष अर्थात अप्रैल 2002 तक थी। हालाकि, एनआरएससी ने अंतिम रिपोर्ट जनवरी 2003 में प्रस्तुत कर दी थी। एनआरएससी ने सितंबर 2008 में उत्तर दिया कि ड्राफ्ट रिपोर्ट को जून 2002 में प्रस्तुत किया था परंतु उपभोक्ता विभाग द्वारा पुर्ननिवेशन तथा सुझाव प्रदान करने में विचारणीय समय लिया गया तथा अंतिम रिपोर्ट जनवरी 2003 में प्रस्तुत की गई थी।
1118 (346.27)	रेगिस्तान क्षेत्र के लिए एकीकृत संसाधन सूचना प्रणाली **[11 महीने]**	संस्वीकृति के अनुसार, परियोजना को जुलाई 2004 में पूरा होना था। जबकि, परियोजना जून 2005 में पूर्ण हुई थी।। डीओएस ने जुलाई 2009 में कहा कि गुजरात के मामले में सोईल थीम डाटा को पूरा करने में हुई देरी के कारण विलंब हुआ था। डीओएस ने यह यह भी बताया कि एमओआरडी द्वारा परियोजना को मार्च 2005 तक बढाया गया था।
1252 (61.82)	रीमोट सेन्सिंग और जीआईएस तकनीक की मदद से वाटरशेड का प्राथमिकीकरण **[12 महीने]**	संस्वीकृति के अनुसार तय की गई अवधि नवंबर 2006 तक था। डीओएस ने जुलाई 2009 में जवाब दिया कि, अंतिम रिपोर्ट को नवंबर 2007 में प्रस्तुत किया गया था।
1201 (195.69)	हुडा के लिए हाई रीजोल्युशन सेटेलाईट डाटा का प्रयोग भू डाटा बेस में मैपिंग **[36 महीने]**	हरित हैदराबाद पर्यावरण कार्यक्रम के अंतर्गत मार्च 2005 में हैदरबाद शहरी विकास प्राधिकरण (हुडा) को प्रस्ताव प्रस्तुत किये गये जिसके अनुसार परियोजना को पूरा करने की अवधि अप्रैल 2006 तक थी। डीओएस ने जुलाई 2009 में जवाब दिया कि हुडा ने ₹ 10 लाख मूल्य के कार्य के बचे हुए घटकों के लिए आवश्यक इनपुट की आपूर्ति करने में अपनी असमर्थता व्यक्त की और अप्रैल 2009 में परियोजना को बंद करने का और हुडा को निधि की वापसी करने का संयुक्त निर्णय लिया गया था।

परिशिष्ट - 5 उपभोक्ता परियोजनाओं की कम लागत

(संदर्भ : पैराग्राफ 6.4.5)

(राशि: ₹ लाख में)

परियोजना कोड	प्रभार्य राशि	प्रभारित राशि	कम लागत	टिप्पणी
1255	697.50	675.90	21.60	एनआरएससी ने दिसम्बर 2005 में आयुक्त सर्वेक्षण भू रिकॉर्ड एवं निपटान, आन्ध्र प्रदेश सरकार के साथ कायनेमैटिक जियो प्रोसेसिंग रिसर्च डाटा के साथ निजामाबाद जिले की एरियल फोटोग्राफी करने के लिए एक करार किया था। हमने यह देखा कि सितम्बर 2005 में शहरी क्षेत्रों की 1:40,000 स्केल के लिए ₹ 37,200 प्रति किलोमीटर की लागत के विरूद्ध एरियल फोटोग्राफी और ऑर्थो फोटोंज के निर्मिति के लिए केवल 300 किलोमीटर के लिए ₹ 30,000 प्रति किलोमीटर प्रभारित किए थे। इसके परिणामस्वरूप ₹ 21.60 लाख की (300 × ₹ 7200) की कम लागत हुई थी। एनआरएससी ने अगस्त 2009 में जवाब दिया कि वरिष्ठ परियोजना समन्वय समिति (एसपीसीसी) ने उपरी खर्चे 25 से कम कर 10 प्रतिशत कर दिये। एसपीसीसी के पास, परियोजना की लागत में पांच प्रतिशत तक की छूट देने के अधिकार है। जब भी, किसी प्रकार की छूट दी जाती है तो समीति द्वारा कारणों को स्पष्ट रूप से रिकार्ड किया जाना चाहिए। फिर भी, समिति ने कारणों को रिकार्ड नहीं किया था।
1118	387.78	346.28	41.50	ग्रामीण विकास मंत्रालय ने जून 2002 में एनआरएससी को उपग्रह सुदूर संवेदन तकनीक का उपयोग कर प्राकृतिक संसाधन जानकारी डाटाबेस को बनाने हेतु रेगिस्तान क्षेत्रों के लिए एकीकृत संसाधन सूचना प्रणाली नामक परियोजना सौंपी थी। उपरिव्यय लागत अनुमान ₹ 68.12 लाख के विरूद्ध ₹ 26.62 लाख उपरिव्यय था, परिणामतः ₹ 41.50 लाख की न्यूनतम लागत हुई थी। एनआरएससी ने नवम्बर 2008 में जवाब दिया कि, उपरिव्यय को कम दरों पर चार्ज किया गया था क्योंकि परियोजनाओं के उपभोक्ता सरकारी विभागों / संस्थाओं के थे। डीओएस ने जुलाई 2009 में भी जवाब दिया कि जब उपभोक्ता द्वारा वित्तपोषित परियोजना की उच्च वित्तीय परिव्यय तथा सरकारी संस्थाओं द्वारा वित्तपोषित एनआरएससी द्वारा प्रकरण से प्रकरण के आधार पर कम दर पर उपरिव्यय लेने का अंतकरण दृष्टिकोण व्यवहार में लाया गया। जबकि एनआरएससी की लागत नीति के अनुसार इस तरह की कटौती सरकारी विभागों को प्रदान नहीं करनी थी।
1105	69.55	47.64	21.91	मान्य किये हुए फेरी दर जैसे कि, निष्फल दर (वायवीय कार्यों के निष्फल होने की स्थिति में आकस्मिक प्रावधान), बाहरी भत्ता, निष्क्रिय दिन प्रभार और पॉर्किगं दर लागू नही किए गए। नबम्बर 2008 में एन आर एस सी और जुलाई 2009 में डीओएस ने जवाब दिया कि यह उपभोक्ता परियोजना नही थी। 2004 से पहले की अनुमोदित दरें ही प्रभारित की गई थीं। जवाब मान्य

परियोजना कोड	प्रभार्य राशि	प्रभारित राशि	कम लागत	टिप्पणी
				नहीं था क्योंकि परियोजना कोड 1105 यह प्रकट करता है कि यह उपभोक्ता परियोजना थी और अनुमोदित निष्फलता प्रभार किसी भी हवाई कार्यों में प्रभारित नहीं किया गया था।
1136	172.89	138.00	34.89	मान्य किये हुए फेरी दर जैसे कि, निष्फल दर (वायवीय कार्यों के निष्फल होने की स्थिति में आकस्मिक प्रावधान), बाहरी भत्ता, निष्क्रिय दिन प्रभार और पॉर्किगं दर लागू नही किए गए। एनआरएससी ने नबम्बर 2008 में जवाब दिया कि, यह उपभोक्ता परियोजना नहीं थी और प्रभारित दरें घंटों के हिसाब से अनुमोदित दरों पर आधारित थी। जवाब मान्य नही था क्योंकि, एनआरएससी द्वारा निधार्रित की गई दर लागत नीति पर आधारित नहीं थी। इसके अलावा, परियोजना कोड 1136 यह प्रकट करता है यह एक उपभोक्ता परियोजना थी। अनुमोदित निष्फलता दरों को किसी भी हवाई कार्यों में प्रभारित नहीं किया गया। डीओएस ने जुलाई 2009 में जवाब दिया कि, निष्फलता दर एरियल सोर्टीज के लिए लागू नहीं किया गया जबकि एनआरएससी की अनुमोदित दरें निष्फल प्रभारों से एरियल सोर्टीज को अलग नहीं करती थी।
1250	75.35	71.98	3.37	कुल योजना के ₹ 23.48 लाख लागत (डेटा उत्पादन और प्रशिक्षण दरों को छोड़ कर) के 25 प्रतिशत, ₹ 5.87 लाख के प्रशासकीय उपरि प्रभार के मुकाबले, एनआरएससी ने केवल ₹ 2.5 लाख प्रभारित किये।एनआरएससी ने नवम्बर 2008 में जवाब दिया कि एनआरएससी द्वारा खर्च किए गये वास्तविक प्रभार का 25 प्रतिशत प्रभारित किया गया था। जवाब मान्य नही था क्योंकि आर एस आई, कनाडा के प्रशिक्षण चार्ज और डाटा उत्पादन चार्ज को छोड़ने के बाद लागत को निर्धारित किया था और प्रशासनिक उपरि शीर्ष को भी प्रशासनिक लागत पर निर्धारित किया गया था। डीओएस ने जुलाई 2009 में जवाब दिया कि उपरि खर्चे डीओएस/एनआरएससी प्रशिक्षण की लागत पर प्रभारित नही किये गये थे। जबकि एनआरएससी की लागत नीति में प्रशिक्षण प्रभार को प्रशासकीय उपरि खर्च से अलग नहीं किया गया था।
1264	377.17	346.25	30.92	एमओआरडी के निवेदन पर ₹ 206.10 लाख पर 25 प्रतिशत की बजाय केवल 10 प्रतिशत उपरि खर्च ही प्रभारित किया था। एनआरएससी ने नवम्बर 2008 के जवाब में अपनी स्थिति दोहराई। डीओएस ने जुलाई 2009 में जवाब दिया कि चूंकि परियोजना की लागत बहुत ज्यादा थी अतः उपरि खर्च 10 प्रतिशत प्रभारित किया गया। फिर भी, एनआरएससी की लागत नीति उपरि–प्रभार घटाने की अनुमति नहीं देती थी।

परियोजना कोड	प्रभार्य राशि	प्रभारित राशि	कम लागत	टिप्पणी
1127	562.00	498.00	64.00	एमओआरडी के निवेदन पर 25 प्रतिशत की बजाय उपरिव्यय केवल 10 प्रतिशत ही प्रभारित किये गये थे। एनआरएससी ने नवम्बर 2008 के अपने जवाब में स्थिति दोहराई। डीओएस ने जुलाई 2008 में जवाब दिया कि चूंकि परियोजना की लागत बहुत ज्यादा थी, अतः उपरि भार 10 प्रतिशत आंका गया। जबकि एनआरएससी के लागत नीति उपरिव्यय घटाने की अनुमति नही देती थी।
1052	38.10	33.20	4.90	उपग्रह डाटा छोडकर 25 प्रतिशत का उपरिव्यय प्रभारित नही किया गया था।एनआरएससी ने नवम्बर 2008 में और डीओएस ने जुलाई 2009 में जवाब दिया कि क्योंकि ड्राइलैन्ड एग्रिकल्चर परियोजना में एनआरएससी और केंद्रीय संशोधन संस्था की सांझाा रूचि निहित थी, उपरिव्यय प्रभारित नहीं किया गया था। जवाब मान्य नहीं था क्योंकि परियोजना को उपभोक्ता परियोजना के रुप में लिया गया था जिसमें उपरि प्रभार लिया जाना आवश्यक था।
1017	70.65	70.00	0.65	₹ 7.89 लाख के प्रशासकीय उपरिव्यय खर्चे के विरूद्ध एनआरएससी ने केवल ₹ 7.24 लाख प्रभारित किये। डीओएस ने जुलाई 2009 में जवाब दिया कि सक्षम प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित 15 प्रतिशत उपरि खर्च प्रभारित किया गया। फिर भी, एनआरएससी की लागत नीति घटे हुए उपरि प्रभार की अनुमति नहीं देती।
1184	58.40	51.50	6.90	₹ 11.50 लाख के प्रभार्य प्रशासकीय उपरिव्यय के विरूद्ध, एनआरएससी ने केवल ₹ 4.60 लाख प्रभारित किये थे। डीओएस ने जुलाई 2009 में जवाब दिया कि परियोजना के तकनीकी महत्त्व को ध्यान में रख कर उपरिव्यय घटाएं गये। फिर भी, एनआरएससी की लागत नीति घटे हुए उपरि प्रभार की अनुमति नही देती।
1040	70.00	56.00	14.00	प्रभारित प्रशासकीय उपरि व्यय माफ किये गये क्योंकि ऑर्डर ज्यादा मात्रा में थी। जबकि उपरिव्यय को माफ करने का कोई प्रावधान नहीं था। डीओएस ने जुलाई 2009 में जवाब दिया कि उपरिव्यय 4–गुणा बढोतरी की तरफ प्रभारित नहीं थे। फिर भी, एनआरएससी के लागत नीति उपरिव्यय प्रभारित से बढोतरी को माफ करने की अनुमति नहीं देती।
1061	70.93	63.62	7.31	25 प्रतिशत के बजाय प्रशासकीय उपरि प्रभार केवल 10 प्रतिशत लागू किये गये। डीओएस ने जुलाई 2009 में जवाब दिया कि योजना की लागत बहुत ज्यादा होने की वजह से उपरिव्यय 10 प्रतिशत लागू किये गये। परंतु, एनआरएससी की लागत नियमों के तहत घटे हुए उपरि व्यय को अनुमति नहीं देती है।
कुल	**2650.32**	**2398.37**	**251.95**	

परिशिष्ट - 6 2003-09 की अवधि में आई आई आर एस, देहरादून में नामांकन

(संदर्भ : पैराग्राफ 7.2)

वर्ष	पाठ्यक्रम	एम टेक	एम एस सी	पी जी डिप्लोमा	प्रमाणपत्र	सी एस एस टी ई	विशेष	लघु सत्र	कुल
2003-04	पाठ्यक्रमों की संख्या	1	2	8	8	1	0	9	29
	तय किये हुए सहभागी	10	20	56	33	20	26	110	275
	नामांकित सहभागी	13	18	23	25	21	26	123	249
	नामांकन ना पानेवालों का प्रतिशत	30	- 10	- 59	- 24	5	0	12	10
2004 -05	पाठ्यक्रमों की संख्या	1	2	8	8	1	0	9	29
	तय किये हुए सहभागी	10	20	56	33	20	75	110	324
	नामांकित सहभागी	11	16	28	22	20	75	128	300
	नामांकन ना पानेवालों का प्रतिशत	10	- 20	- 50	- 33	0	0	16	- 7
2005-06	पाठ्यक्रमों की संख्या	1	2	8	8	1	0	10	30
	तय किये हुए सहभागी	10	20	56	33	20	128	130	397
	नामांकित सहभागी	4	14	25	11	19	128	112	313
	नामांकन ना पानेवालों का प्रतिशत	- 60	- 30	- 55	- 67	- 5	0	- 14	- 21
2006-07	पाठ्यक्रमों की संख्या	1	2	9	8	1	0	13	34
	तय किये हुए सहभागी	10	20	56	33	20	193	136	468
	नामांकित सहभागी	11	14	45	15	22	193	111	411
	नामांकन ना पानेवालों का प्रतिशत	10	- 30	- 20	- 55	10	0	- 18	- 12
2007-08	पाठ्यक्रमों की संख्या	1	2	9	8	1	0	12	33
	तय किये हुए सहभागी	10	20	56	33	20	281	126	546
	नामांकित सहभागी	7	17	47	15	18	281	98	483
	नामांकन ना पानेवालों का प्रतिशत	- 30	- 15	- 16	- 55	- 10	0	- 22	- 12
2008-09	पाठ्यक्रमों की संख्या	1	2	8	8	1	0	9	29
	तय किये हुए सहभागी	10	20	56	33	20	60	130	329
	नामांकित सहभागी	10	13	37	8	15	320	119	522
	नामांकन ना पानेवालों का प्रतिशत	0	-35	-34	-76	-25	433	-9	59
औसत	**नामांकन ना पानेवालों का प्रतिशत**	**-7**	**-23**	**-39**	**-52**	**-4**	**34**	**-7**	**-3**

परिशिष्ट - 7 2003-08 के लिए एन आर एस सी के प्रमुख वित्तीय कार्यों का अनुमान एवं वास्तविकता

(संदर्भ : पैराग्राफ 8.4)

(राशि: ₹ करोड में)

वर्ष	सूचना	अनुदान	आय	कुल आवक	केन्द्र का[57] व्यय	परिवर्ती[58] व्यय	कुल व्यय
2003-04	अनुमान	9.00	58.75	67.75	49.67	21.20	70.87
	वास्तविकता	9.00	58.47	67.47	45.64	14.03	59.67
	परिवर्तन	0.00	0.28	0.28	4.03	7.17	11.20
	(प्रतिशत)		(-) 0.5	(-) 0.50	(-) 8	(-) 33	(-) 16
2004-05	अनुमान	9.00[59]	62.73	71.23	50.45	18.65	69.10
	वास्तविकता	9.00	77.57	86.57	48.33	19.22	67.55
	परिवर्तन	0.00	11.34	15.34	2.12	0.57	1.55
	(प्रतिशत)		17	21.54	(-) 4	(-) 3	(-) 2
2005-06	अनुमान	14.00	81.40	95.40	59.54	20.22	79.76
	वास्तविकता	14.00	70.11	84.11	56.03	11.73	67.76
	परिवर्तन	0.00	11.29	11.29	3.51	8.49	12.00
	(प्रतिशत)		(-) 14	(-) 12	(-) 6	(-) 42	(-) 15
2006-07	अनुमान	20.00	78.89	98.89	76.73	15.50	92.23
	वास्तविकता	20.00	84.92	104.92	53.51	24.46	77.97
	परिवर्तन	0.00	6.03	6.03	23.22	8.96	14.26
	(प्रतिशत)		8	6	(-) 30	58	(-) 16
2007-08	अनुमान	30.00[60]	109.90	139.90	80.73	32.59	113.32
	वास्तविकता	30.00	111.15	141.15	96.96	26.22	123.18
	परिवर्तन	0.00	1.75	1.25	16.23	6.37	9.86
	(प्रतिशत)		1.5	0.9	20	20	9
2008-09	अनुमान	लागू नही*	100.96	100.96	108.73	25.44	134.17
	वास्तविकता	लागू नही*	70.83	70.83	104.86	21.83	126.69
	परिवर्तन	लागू नही*	30.13	30.13	3.87	3.61	7.48
	(प्रतिशत)		(-) 29.84	(-) 29.84	(-) 3.56	(-) 14.19	(-) 5.58

* लागू नही, क्योंकि एनआरएससी 1 सितम्बर 2008 से डीओएस के एक प्रभाग के रूप में परिवर्तन किया गया।

[57] डीओएस द्वारा मान्य किये गये बजट के मुकाबले , डीओएस द्वारा आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों / परियोजनाओं , प्रशासकीय खर्चे, वेतन आदि ।

[58] अलग अलग उपभोक्ताओं केलिए , एनआरएससी द्वारा किये गये अनुप्रयोग योजनाओं पर व्यय

[59] निवृत्ती पश्चात वेतन की राशि के लिए डीओएस द्वारा प्राप्त किये गये ₹ 5 करोड को छोड़ कर।

[60] 2006 की प्रतिवेदन संख्या 9 (संघ सरकार) के पैराग्राफ 5.8.3 में लेखा परीक्षा परिणाम में बताए गए एनआरएससी द्वारा डीओएस को वापस दिए गए ₹ 19.46 करोड को जोड़ दिया ।